फैमिलीज़ ऑफ़ जॉय फाउंडेशन

एडॉप्शन की नयी सोच

इमीडियेट प्लेसमेंट क्या है?

सितंबर 2016 में CARA ने एक ऐसी प्रक्रिया की घोषणा की जिससे कि जिन बच्चों को काफी अभी तक भी गोद नहीं लिया गया है उन्हें घर मिल सके. हमारी संस्थाओं में विभिन्न प्रकार के बच्चे रहते हैं. कुछ बहुत छोटी, कुछ बड़े, कुछ विशिष्ट जरूरतों वाले, और कुछ थोड़ी ही अवधि के लिए रहने वाले.

बहुत बच्चे माता पिताओं की प्राथमिकता के चलते गोद नहीं लिए जाते. अधिकांश माता पिता बहुत ही छोटे बच्चों को गोद लेना चाहते हैं. और थोड़ा सा भी बड़ा बच्चा गोद लेने के लिए महीनों या वर्षों इंतजार करता है. इसलिए प्रक्रिया के अनुसार वह बच्चा जो किसी भी कारण से लंबी अवधि के बाद भी गोद न लिया गया हो उसको एक अलग सूची में डाला गया और वह सूची प्रतीक्षा कर रहे सभी हजारों माता पिताओं को उपलब्ध कराई गई. इसका आशय यह था कि सभी माता पिता लंबी अवधि तक प्रतीक्षा कर रहे बच्चों को देख सकें और अपनी क्षमतानुसार किसी भी बच्चों को फौरन गोद ले सकें. उन्हें यह विकल्प उनकी अपनी प्राथमिकता के अलावा उपलब्ध होने के कारण उनकी वरिष्ठता पर असर नहीं डालता. इसके साथ ही बच्चे को यह मौका मिलता है की हजारों में से कोई भी माता-पिता उसको फौरन गोद ले सकता है. इसी प्रक्रिया को इमेजेज प्लेसमेंट कहां जाता है.

क्योंकि यह सूची सभी माता-पिताओं को एक साथ दिखती है, इसलिए इसमें कोई प्रतीक्षा नहीं है. जो भी माता पिता इस सूची से किसी बच्चे का चयन कर लेता है, मैं उसे तत्काल ही गोद लेकर घर जा सकता है.

क्या यह बताने योग्य है जो माता पिता सामान्य श्रेणी से बच्चा गोद नहीं ले सकते, जैसे कि वे जिनके 3 से अधिक बच्चे हो, वह इस श्रेणी से भी बच्चा गोद ले सकते हैं.

निसंदेह, यह श्रेणी उन सब बच्चों के लिए वरदान साबित हुई है जो काफी लंबी अवधि से एक परिवार की प्रतीक्षा कर रहे हैं. यदि आप गोद लेने के लिए कारा में रजिस्टर्ड हैं तो इस श्रेणी को अवश्य देखें, हो सकता है आप के दिल का टुकड़ा इसी श्रेणी में आपका इंतजार कर रहा हो .